Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BA-412

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination June – 2022

B.A. (with Yoga Science), Semester : Fourth
Sanskrit ; Paper : Second

साहित्यं धर्मशास्त्रं च

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. मुण्डकोपनिषद् के अनुसार परमात्मा का स्वरूप लिखिए।
2. मुण्डकोपनिषद् के अनुसार परमात्मा की प्राप्ति के उपाय निरूपित कीजिए।
3. नीतिशतकम् के उपदेशों की वर्तमान में उपादेयता लिखिए।
4. महाकवि कालिदास की कृतियों का परिचय दीजिए।
5. आचार्य कात्यायन के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. अधोलिखित मन्त्र की व्याख्या कीजिए -
   अथर्वणे यां प्रवदेत ब्रह्माथर्वा तां पुरोवाचाङ्गिरे ब्रह्मविद्याम्।
   स भारद्वाजाय सत्यवाहाय प्राह भारद्वाजोऽङ्गिरसे परावरम्॥
7. अधोलिखित श्लोक की व्याख्या कीजिए -
   विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनम्,
   विद्या भोगकरी यशः सुखकरी विद्या गुरूणां गुरुः।
   विद्या बन्धुजनो विदेशगमने विद्या परं दैवतम्,
   विद्या राजसु पूजिता न हि धनं विद्याविहीनः पशुः॥
8. रघुवंश के द्वितीय सर्ग का सारांश लिखिए।
9. महर्षि वरदराज पर टिप्पणी लिखिए।
10. सन्दर्भ प्रसंग सहित श्लोक की व्याख्या कीजिए -
    सञ्चारपूतानि दिगन्तराणि कृत्वा दिनान्ते निलयाय गन्तुम्।
    प्रचक्रमे पल्लवरागताम्रा प्रभा पतङ्गस्य मुनेश्च धेनुः॥
11. नीतिशतकम् के अनुसार सत्सङ्गति का महत्त्व विवेचित कीजिए।
12. रघुवंश के अनुसार राजा दिलीप की गोसेवा का वर्णन कीजिए।

----------x----------